**बजट सत्र 2021 का पहला चरण अत्यधिक कार्योत्पादक रहा – लोक सभा अध्यक्ष**

**..**

**लोक सभा अध्यक्ष ने सभा की कार्यवाहियों में महिला सांसदों की भागीदारी और उनके उत्साह की सराहना की**

**...**

**व्यवधान के कारण व्यर्थ हुए समय की भरपाई करने के लिए सभा ने निर्धारित समय से अधिक घंटों तक बैठकें की – लोक सभा अध्यक्ष**

**.. .**

**यह सुनिश्चित करना सभी सदस्यों का दायित्व है कि सभा में लोकतांत्रिक और नैतिक मानकों तथा नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए - लोक सभा अध्यक्ष**

**नई दिल्ली 13 फरवरी 2021:** 29 जनवरी 2021 को भारत के राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू हुए बजट सत्र का पहला चरण आज अर्थात 13 फरवरी 2021 को संपन्न हुआ। सभा की समग्र कार्य-उत्पादकता 99.5% रही।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में मीडिया के साथ बातचीत करते हुए बताया कि संसद का बजट सत्र निर्विघ्न रूप से चला और आधी रात के बाद तक भी महत्वपूर्ण संसदीय कार्य किया गया। माननीय अध्यक्ष ने बताया कि बजट सत्र, 2021 का पहला चरण बहुत ही कार्योत्पादक रहा। माननीय अध्यक्ष ने लोक सभा के निर्विघ्न संचालन के लिए सभा के नेता अर्थात प्रधान मंत्री जी, सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, संसद सदस्यों, मीडिया तथा लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि बजट सत्र, 2021 के पहले चरण के दौरान लोक सभा ने 50 घंटे की निर्धारित अवधि की तुलना में 49 घंटे और 17 मिनट बैठकें की। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 16 घंटे 39 मिनट चली और इस चर्चा में 130 सदस्यों ने भाग लिया। लोक सभा अध्यक्ष ने यह जानकारी भी दी कि केंद्रीय बजट, 2021-2022 पर आम चर्चा के लिए नियत 10 घंटों की तुलना में सभा ने इस मद पर 14 घंटे 40 मिनट चर्चा की। केंद्रीय बजट, 2021-2022 पर आम चर्चा में 117 सदस्यों ने भाग लिया। 173 सदस्यों ने शून्य काल की चर्चाओं में भाग लिया। शून्य काल के दौरान सदस्यों ने अविलंबनीय लोक महत्व के अनेक मामले उठाए। व्यवधान के कारण सभा के केवल 43 मिनट बर्बाद हुए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और बजट पर चर्चा में 49 महिला सांसदों ने भाग लिया। लोक सभा अध्यक्ष ने सभा की कार्यवाहियों में महिला सांसदों की भागीदारी और उनके उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधी रात के बाद तक सभा की बैठकें होने के बावजूद अनेक महिला सदस्य कार्यवाही में उपस्थित रहीं । इस दौरान उन्होंने चर्चा में भाग लिया तथा अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

सभा में व्यवधान के बारे में प्रश्नों के उत्तर देते हुए माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि अंततः हमारा लक्ष्य लोकतंत्र को सुदृढ़ करना है । इसलिए सुनिश्चित करना सभी सदस्यों का यह दायित्व है कि सभा में लोकतांत्रिक और नैतिक मानदंडों तथा नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष ने यह जानकारी भी दी कि व्यवधान के कारण व्यर्थ हुए समय की भरपाई करने के लिए सभा ने निर्धारित समय से अधिक घंटों तक बैठकें की।

इस संबंध में एक संक्षिप्त विवरण संलग्न है।